तापमान
अधिकतम 35.0 डिग्री
न्यूनतम 20.5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 5 अक्टूबर 2025

8 सीजन में अब तक 239 को डेंगू व 14 को मलेरिया ने जकड़ा, लार्वा मिलने पर 3251 को थमाए नोटिस

10 जिला नागरिक अस्पताल में डॉक्टर्स और कर्मचारियों की टीम ने की साफ-सफाई

खबर संक्षेप

धानक समाज की नाहड़ ब्लॉक में बैठक आज

रेवाड़ी। धानक समाज जिला कार्यकारिणी की मीटिंग मुक्तिवाडा स्थित धानक धर्मशाला में प्रधान वेदप्रकाश बनवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीटिंग में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर धानक समाज की आगामी बैठक 5 अक्टूबर को सुबह 10 बजे नाहड़ ब्लॉक के गांव कोसली स्थित अशोका गार्डन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। प्रधान ने बताया कि बैठक में समाज के उत्थान के लिए भविष्य की रणनीति तय की जाएगी तथा समाज के लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। बैठक में धानक समाज की नाहड़ ब्लॉक की कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा।

मेघवाल समाज की बैठक आज गांव डवाना में

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने बताया कि मेघवाल समाज की बैठक 5 अक्टूबर रविवार को सुबह 10 बजे गांव डवाना में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में समिति के सभी पदाधिकारी और महिला शक्ति शामिल होकर समाजहित में एक नई पहल में अपनी हिस्सेदारी के लिए विचार साझा करेंगे। मेघवाल उत्थान समिति को मजबूत बनाने का काम करेंगे।

मंडोर सुपरफास्ट ट्रेन का खैरथल स्टेशन पर ठहराव

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए जोधपुर-दिल्ली-जोधपुर प्रतिदिन मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा का प्रायोगिक आधार पर आगामी आदेशों तक खैरथल स्टेशन पर ठहराव किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण के ने बताया कि गाड़ी संख्या 22996 जोधपुर-दिल्ली प्रतिदिन मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 6 अक्टूबर से जोधपुर से प्रस्थान करके खैरथल स्टेशन पर अल सुबह 3:38 बजे आगमन व 3:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 22995 दिल्ली-जोधपुर प्रतिदिन मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा 7 अक्टूबर से दिल्ली से प्रस्थान करके खैरथल स्टेशन पर रात्रि 11:51 बजे आगमन व 11:53 बजे प्रस्थान करेगी।

गत वर्ष की अपेक्षा इस बार ज्यादा बढ़ रहे डेंगू के केस

सीजन में अब तक 239 को डेंगू व 14 को मलेरिया ने जकड़ा, लार्वा मिलने पर 3251 को थमाए नोटिस

परिवार को मच्छरदानी देते हुए स्वास्थ्य कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

जिले में इस सीजन में डेंगू पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा 239 पर पहुंच चुका है, जिसमें 44 मामले सरकारी व 195 डेंगू केसों की पुष्टि प्राइवेट लैबों से की गई है। अक्टूबर माह के चार दिनों में जिले में 22 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। इसके अलावा पिछले दिनों मलेरिया के भी 14 केस मिले थे। शनिवार को डेंगू के 4 पॉजिटिव मरीज मिले है। गत वर्ष 2024 में डेंगू का आंकड़ा 411 था व 9 मलेरिया के केस मिले थे। गत वर्ष अक्टूबर के पहले सप्ताह तक जिले में डेंगू के 83 पॉजिटिव मरीज मिले थे, लेकिन इस बार यह आंकड़ा तीन गुणा है। गत वर्ष अक्टूबर माह में 173 व नवंबर माह में 154 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिलने से आंकड़ा 400 पार पहुंच गया था। इस वर्ष अगस्त माह में 101 व सितंबर माह में 97 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। डेंगू मामलों के तेजी से बढ़ने का कारण फोगिंग कार्य व सुस्ती व लोगों की लापरवाही है। डेंगू के मामलों की

अक्टूबर माह के चार दिनों में जिले में 22 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके

रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग लोगों को सतर्कता बरतने की सलाह दे रहा है। डिप्टी सीएमओ डा. अमित यादव के नेतृत्व में हेल्थ इंस्पेक्टर टीम डेंगू की रोकथाम के लगातार प्रयास कर रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने के साथ कूलर, फ्रिज, पानी की टंकी व आसपास जमा पानी की जांच कर रही है। घरों में लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दिए जा रहे है। अब तक लार्वा मिलने पर 3251 लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। स्वास्थ्य विभाग की एमपीएचडब्ल्यू व ब्रीडिंग चेकर टीम अब तक सोर्स रिडेक्शन एक्टिविटी के तहत 1878214 घरों में लार्वा की जांच कर चुकी है।

2024 में अक्टूबर के पहले सप्ताह तक मिले थे महज 83 डेंगू पॉजिटिव, इस बार तेजी से बढ़ रही डेंगू मरीजों की रफ्तार

रेवाड़ी। लार्वा मिलने पर पानी का बर्तन खाली करते स्वास्थ्यकर्मी, पानी की टंकी में लार्वा की जांच करती टीम। फोटो :हरिभूमि

डेंगू व मलेरिया के लक्षण

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर लाल धब्बे या चकत्ते का निशान, नाक-मसूड़ों से या उल्टी के साथ रक्त स्राव और काला पखाना होना डेंगू के लक्षण हैं। मलेरिया में मरीज के सिर दर्द होना, शरीर में कंपन, ठंड लगना, थकान, बुखार आना, उल्टी होना, जी मिचलना, चक्कर आना प्रमुख कारण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो अपना इलाज कराएं।

अब शहर में मिल चुके 107 डेंगू पॉजिटिव

मलेरिया हेल्थ इस्पेक्टर हरिप्रकाश ने बताया कि इस सीजन में अभी तक डेंगू के 239 केस आ चुके है। मलेरिया के भी 14 केस आ चुके है। जिले में अभी तक शहर में 107, बावल सीएचसी में 44, मीरपुर सीएचसी में 23, खोल सीएचसी में 43, गुरावड़ा सीएचसी में 11 व नाहड़ सीएचसी में 11 डेंगू के केस मिल चुके है। अब तक 3574 लोगों के ब्लड सेंपल लिए जा चुके है।

डेंगू-मलेरिया से बचाव

डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घर में आसपास साफ-सफाई रखे। ठहरे हुए पानी में काला तेल डाले। घरों के बर्तन, कूलर, पानी की टंकी व पशुओं की खेल की सफाई करते रहे, जिससे मच्छर का लार्वा न पनप सके। डेंगू व मलेरिया के लक्षण होने पर ब्लड की जांच कराकर डॉक्टर की सलाह पर ही दवाईयां ले। ज्यादा से ज्यादा पेय पद्धार्थो का सेवन करें।

सतर्क रहने की जरूरत

जिले में डेंगू की रोकथाम के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रतिदिन घरों व अन्य स्थानों पर लार्वा की जांच कर रही है। बीमारियों से बचाव के लिए लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।
डा. अमित यादव, डिप्टी सीएमओ रेवाड़ी।

राज इंटरनेशनल स्कूल के दस विद्यार्थियों ने एनडीए में पाई ऐतिहासिक सफलता

रेवाड़ी। एनडीए में चयनित छात्र शिक्षकों के साथ। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन से विद्यालय तथा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों ने एनडीए की लिखित परीक्षा में जिले से सर्वाधिक चयन कराकर राज इंटरनेशनल स्कूल व क्षेत्र का नाम गौरवांवित किया है। विद्यालय से अभिनव पुत्र राकेश कुमार, आर्यन पुत्र चरण सिंह, सिद्धार्थ शर्मा पुत्र जितेन्द्र कुमार शर्मा, शुभम शर्मा पुत्र राकेश कुमार, शुभम यादव पुत्र राकेश कुमार, शुभम पुत्र राजेश सिंह, हेमंत पुत्र रणधीर शर्मा, निशिकांत पुत्र कमर सिंह, तनमय सिंह पुत्र अजीत सिंह और तनमय कौशिक पुत्र अखिलेश कौशिक ने एनडीए परीक्षा में सफलता हासिल की है। विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सैनी ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल छात्रों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि स्कूल की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासन का प्रमाण भी है। विद्यालय के निदेशक नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी, हेमंत सैनी व प्राचार्य कुलदीप जांगिड़ ने भी सभी सफल छात्रों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दी।

जोहड़ में मिला चार दिन से लापता युवती का शव

- युवती के लापता होने की शिकायत परिजनों ने बावल थाने में दर्ज कराई थी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बावल

बावल क्षेत्र से गत चार दिन से लापता 19 वर्षीय युवती का शव शनिवार को रूध गांव के तालाब से बरामद हुआ है। मौके पर मिली चप्पलों से युवती की पहचान की गई। युवती के लापता होने की शिकायत परिजनों ने बावल थाने में दर्ज कराई थी। उत्तम नगर निवासी युवती के भाई ने बताया कि एक अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे वह सब्जी लेने गया था।

जब वह घर लौटा तो उसकी करीब 19 वर्षीय बहन घर पर नहीं थी। परिजनों ने अपने स्तर पर आसपास उसकी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद उसने बावल थाने में बहन की गुमशुदगी दर्ज कराई। भाई ने बताया कि शनिवार सुबह ग्रामीणों ने जोहड़ में शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर परिजन पहुंचे तो पास में बहन की चप्पल पड़ी थी। किनारे पर ही युवती का शव पड़ा था।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

रेवाड़ी। युवती का शव मिलने पर मौजूद पुलिस व लोग। फोटो :हरिभूमि

मामले की जांच की जा रही

बावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का पता चल पाएगा। परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।परिजनों का कहना है कि लापता होने की सूचना के बाद पुलिस ने कोई सक्रियता नहीं दिखाई। अगर पुलिस पहले सक्रिय होती तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था। पुलिस का कहना है शव पूरी तरह फूल चुका है। अभी कुछ कहना मुश्किल है। युवती की चप्पल जोहड़ के पास एक साथ मिली है। इससे सुसाइड की भी आशंका है।

करवाचौथ व्रत को लेकर बाजार में भीड़ उमड़ने की उम्मीद दुकानदारों ने त्योहार पर नए-नए ऑफर व स्कीम निकाली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

त्योहारी सीजन में बाजारों की रौनक दोगुनी हो जाती है। नवरात्र के समापन के बाद करवाचौथ का त्योहार आ रहा है, जिसके चलते शहर के बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। करवाचौथ के चलते बाजारों में सोलह श्रृंगार से लेकर सजावटी थालियों की मांग बढ़ गई है। इस समय सबसे ज्यादा रौनक महिलाओं से जुड़ी दुकानों पर दिखाई दे रही है। बाजारों में चुनरी, चूड़ियां, सोलह श्रृंगार, सजावटी थालियां, करवे और सजावटी सामान खूब बिक रहा है। दुकानदार भी त्योहार को देखते हुए नए-नए ऑफर और स्कीमें निकाल रहे हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्राहक आकर्षित हो सकें। वहीं शहर में मेहंदी लगाने वाली दुकानों पर भीड़ जुड़ने लगी है।

एडवांस हो रही है बुकिंग

त्योहारों की चहल-पहल का असर ब्यूटी पार्लरों पर सबसे ज्यादा दिखाई देगा। करवाचौथ के मौके पर महिलाएं खासतौर पर पार्लरों में सजने-संवरने पहुंचेगी। पार्लरों में हेयर स्टाइलिंग, फेशियल, मेकअप और नेल आर्ट के लिए बुकिंग पहले से ही की जा चुकी है। कई पार्लरों के बाहर महिलाओं की भीड़ जुटनी शुरू हो रहीं है। शहर के हिमानी ब्यूटीपार्लर की संचालिका हिमानी शर्मा का कहना है कि करवाचौथ और दीवाली जैसे त्योहार उनके लिए सबसे व्यस्त समय होता है। इस दौरान बुकिंग इतनी ज्यादा हो जाती है कि कई बार तो अतिरिक्त स्टाफ की भी जरूरत पड़ जाती है।

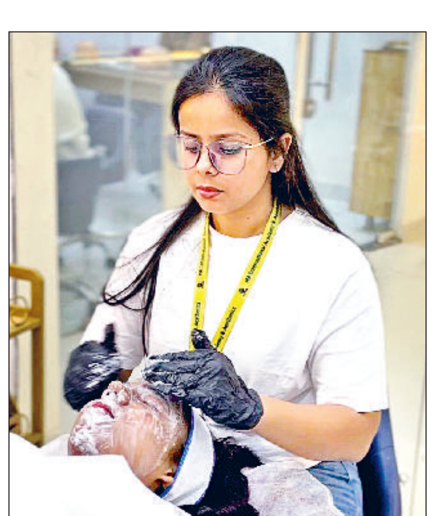

क्या कहती है संचालिका

हिमानी मेकओवर की संचालिका हिमानी शर्मा ने बताया कि करवा चौथ व्रत को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखने को मिलता है। महिला कई दिन पहले से एडवांस बुकिंग दे रहीं है। करवा चौथ महिलाओं के लिए स्पेशल होता है, इसलिए पैसे के बारे में ज्यादा नहीं सोचा जाता। महिलाओं पर बोझ ना पड़े, इसके लिए फेस पैक आदि में बढ़ोतरी नहीं की गई है। हाइड्रो फेशियल को लेकर महिलाओं में विशेष क्रेज होगा। करवाचौथ व्रत को लेकर महिलाओं को मेकअप के लिए 50 प्रतिशत डिस्काउंट दिया जाएगा।

पति की दीर्घायु के लिए करती हैं व्रत

रितू भोल्यान, निशा, डॉ. अनूभूति, डॉ. अन्नू, डॉ. पवित्रा राव, पिंकी, बबिता, कविता, मंजू देवी ने कहा कि करवाचौथ सिर्फ व्रत का ही पर्व नहीं, बल्कि पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत करने का अवसर भी है। इसलिए वे श्रृंगार और पूजा सामग्री की खरीद में कोई कमी नहीं छोड़तीं। यही कारण है कि बाजारों में भीड़ सामान्य दिनों से दोगुनी हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने पति की दीर्घायु के लिए हर साल करवा चौथ का व्रत करती हैं। हर साल वह व्रत के लिए कपड़े और श्रृंगार का सामान खरीद करती हैं। उसकी परिवार की महिलाएं भी व्रत रखकर विधिवत पूजन भी करती हैं।

परिजनों में मातम छाया

ऑडी कार की टक्कर से साइकिल सवार इकलौत बेटे की जान गई

नारनौल। छात्र कुलदीप व क्षतिग्रस्त ऑडी कार, जिसने एक्सीडेंट किया।

पुलिस ने आरोपित चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

महेंद्रगढ़ रोड पर नसीबपुर जिला जेल के सामने एक तेज रफ्तार ऑडी कार द्वारा साइकिल चला रहे करीब 13 वर्षीय लड़के को टक्कर मार देने से उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ऑडी को वहीं छोड़ फरार हो गया, जबकि पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से छात्र को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे दम तोड़ दिया। पुलिस ने ऑडी कार को कब्जे में लेने उपरांत शनिवार प्रातः आरोपित चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया।

गांव डोहर कलां का रहने वाला अजीत सिंह करीब एक महीने से अपनी पत्नी व बच्चों के साथ नारनौल की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहता है। वह इससे पहले जमालपुर में रहते थे। वह तथा उसकी पत्नी दोनों मेहनत मजदूरी करते हैं। उसका करीब 13 वर्षीय पुत्र कुलदीप उर्फ लक्की शुक्रवार रात को करीब नौ बजे हाउसिंग बोर्ड के बाहर महेंद्रगढ़ रोड पर साइकिल चला रहा था। तभी एक ऑडी ड्राइवर अपनी कार को तेज गति से चलाता हुआ आया तथा उसने साइकिल चला रहे कुलदीप को सीधे टक्कर मार दी। पुलिस ने मौके पर पहुंची तथा एंबुलेंस की मदद से लड़के को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि ऑडी कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि हादसे के बाद कार के एयरबैग स्वतः ही खुल गए, जिस कारण ऑडी चालक को चोट नहीं लगी तथा वह उसे वहीं छोड़ मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। ड्राइवर पास ही बसे हुडा सेक्टर एक का रहने वाला बताया जा रहा है।

मृतक का अगले महीने था जन्मदिन

मृतक का अगले महीने 20 नवंबर को जन्मदिन भी आने वाला था, लेकिन इससे पहले ही वह एक्सीडेंट का शिकार हो गया। इस घटना से परिजनों में मातम छाया हुआ है तथा उनकी दीपावली पर्व की खुशियां रुदन में बदल गई हैं। शव का पोस्टमार्टम कराने उपरांत परिजनों एवं ग्रामीणों ने उसे गांव डोहर कलां ले जाकर उसका श्मशान घाट में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दो दिन तक आसमान में छाए रह सकते हैं बादल, गर्मी से मिलेगी राहत

अक्टूबर में भी कम नहीं हो रहा गर्मी का असर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

एक सप्ताह से दिन के बढ़ रहे तापमान में शनिवार को एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ातरी रही। दोपहर बाद आसमान में बादल छाने से मौसम में बदलाव नजर आने लगा। मौमस विभाग का अनुमान है कि आगामी दो दिन आसमान में बादल छाए रह सकते हैं, परंतु बरसात की कोई संभावना नहीं है। सप्ताहंत में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं। शनिवार को दिन के तापमान में एक डिग्री से सेल्सियस की बढ़ातरी से गर्मी का असर बरकरार रहा। दिनभर उमस भरी गर्मी से लोग परेशान रहे। अक्टूबर के शुरू से ही बढ़ता तापमान लोगों को परेशान कर रहा है।

सप्ताहंत में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार

इस समय रात के समय ठंड अपनी उपस्थिति दर्ज कराना शुरू कर देती है, लेकिन इस बार रात में भी एसी व कूलर का इस्तेमाल हो गया है। मौसम का गर्म मिजाज दिन के समय पसीने छुड़ा रहा है। सुबह और शाम के समय भी ठंडे मौसम की जगह गर्मी ने ले ली है। शनिवार को सुबह से मौसम साफ रहा। धूप निकलने के बाद गर्मी ने लोगों को खूब परेशान किया। दोपहर बाद मौसम ने करवट ली।

बढ़ता तापमान बना परेशानी

रेवाड़ी। शनिवार शाम के समय छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

सरसों की बिजाई में लगे किसान

पिछले एक सप्ताह से तापमान में बढ़ोतरी होने से लोगों के एसी व कूलर फिर से चालू हो गए है, जिससे बिजली की खपत भी बढ़ गई है। किसान सरसों की बिजाई करने में लगे हुए है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार किसान 20 अक्टूबर तक सरसों की बिजाई कर सकते हैं। बारिश होने के बाद जमीन सरसों की बिजाई के लिए तैयार हो गई है। अब किसानों को जमीन का पलाव करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इस समय जिन एरिया में 10 एमएम से ज्यादा बारिश हुई है, वहां किसान आसानी से सरसों की बिजाई कर सकते हैं। तापमान में कमी आने से सरसों के अंकुरित होने पर खराब होने का खतरा भी नहीं रहेगा।

मौसम के गर्म मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी

आसमान में घने बादल छा गए। इससे एक बार बूंदाबांदी के आसार नजर आने लगे, लेकिन बाद में मौसम साफ हो गया। अधिकतम तापमान एक डिग्री की बढ़ातरी के साथ 35 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री बढ़ोतरी के साथ 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो दिन में आंशिक बादल छा सकते हैं। सप्ताह के अंत में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम के गर्म मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कुछ किसानों ने अगेती सरसों की बिजाई शुरू कर दी है। ठंड शुरू नहीं होने पर अगेती फसल खराब होने की आशंका बनी रहेगी।

खबर संक्षेप

कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कोसली। झाड़ौदा कंवाली रोड़ पर शुक्रवार को हुई सड़क दुर्घटना में नांगल भगवानपुर गांव के एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक मेनपाल के भाई संदीप ने दुर्घटना करने वाले कंटेनर चालक के विरुद्ध कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। संदीप ने बताया कि उसका भाई मेनपाल शुक्रवार दोपहर लगभग 2 बजे मोटर साइकिल पर झाड़ौदा से अपने गांव की ओर जा रहा था कि कंवाली कि तरफ से तेज रफ्तार व लापरवाही से आ रहे कंटेनर ने आश्रम के समीप उनके भाई मेनपाल की मोटर साईकिल को टक्कर मार दी। ुर्घटना में उनके भाई की मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को रेवाड़ी अस्पताल भिजवाया।

कालर वाले जोहड़ का पुनः छंटाई कार्य शुरू

कनीना। बारिश के बाद कालर वाले जोहड की छंटाई का कार्य दोबारा से शुरू किया गया है। इसकी छंटाई का कार्य जून-जुलाई माह में शुरू किया गया था, लेकिन मानसून की बारिश के चलते बीच में ही रोकना पड़ा था। बारिश में जोहड के ओवरफ्लो होने के कारण जलभराव की समस्या बन गई थी।
नगरपालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढा ने बताया कि बारिश के पानी सहित अनेक चुनौतियों का सामना करने के बाद जोहड में पंपसेट लगाकर पानी निकाला गया है। अब उसकी मिट्टी छंटाई का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पानी निकासी के स्थाई समाधान के लिए एसटीपी की लाईन को दुरूस्त किया जाएगा। पानी को बणी में पहुंचाने के लिए नई पाइप लाइन इस्तेमाल की जाएगी।

लड़की के जन्म पर कुआं पूजन किया

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव ढाणी भोड़ी में बेटी के जन्म पर परिवार ने समाज के लिए एक सराहनीय संदेश दिया। रवीना देवी पत्नी नितिन के घर कन्या जन्म के उपरांत परिवार ने लड़के की तरह ही बड़े उत्साह के साथ कुआं पूजन कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर परिजनों ने ग्रामीणों को भोज कराया और बेटी के जन्म को उत्सव की तरह मनाया। रवीना देवी की शादी एक वर्ष पूर्व हुई थी। लड़की के दादा मदनलाल स्वामी जो हरियाणा रोडवेज में ड्राइवर हैं। इस मौके पर दादी निर्मला देवी ने बताया कि उनके परिवार में बेटा-बेटी में कोई भेदभाव नहीं किया जाता। समाज में बेटियों को समान सम्मान देने की यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी।

जीआरपी ने चलाया पौधरोपण अभियान

मंडी अटेली। जीआरपी चौकी नारनौल की ओर से शनिवार को अटेली रेलवे स्टेशन परिसर में साइबर जागरूकता एवं पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जीआरपी चौकी इंचार्ज कैलाश चंद शर्मा ने किया। अभियान के दौरान यात्रियों को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए गए और उन्हें ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की अपील की गई। अधिकारी ने यात्रियों को जागरूक करते हुए कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें, किसी के साथ अपने बैंक खातों की गोपनीय जानकारी साझा न करें और संदेहास्पद कॉल आने पर पुलिस को सूचित करें।

पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया

रोहिंग्या और बंगलादेशियों की पकड़ के लिए चलाया अभियान

पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली

इंस्पेक्टर रविंद्र सिंह के नेतृत्व में शनिवार को थाना सेक्टर-6 धारूहेड़ा व थाना धारूहेड़ा के क्षेत्र में रहने वाले रोहिंग्या व बंगला देशी नागरिकों की पहचान के लिए विशेष सर्च अभियान चलाया गया।

किरायेदारों की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पुलिस की स्पेशल सेल की स्वैट टीम-47 ने इंचार्ज निरीक्षक इंस्पेक्टर रविंद्र सिंह के नेतृत्व में शनिवार को थाना सेक्टर-6 धारूहेड़ा व थाना धारूहेड़ा के क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बंगला देशी नागरिकों की पहचान के लिए विशेष सर्च अभियान चलाया गया। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ियों में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी, विदेशी नागरिक, रोहिंग्या व संदिग्ध लोगों की जांच की। इस दौरान पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र भी जांचे। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिला पुलिस द्वारा बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है और आगे भी इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। एसपी मीणा ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा है कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराये पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करा लें, कोई अपराधी या क्रिमिनल भी हो सकता है। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी पुलिस की ओर से कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में श्रमिकों के पहचान पत्र चैक करती पुलिस टीम व नशा मुक्ति कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा

पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया। एएसआई जितेन्द्र की अगुवाई में पुलिस की नशा मुक्ति की टीम ने गांव गुरावड़ा के स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल व सर्व हिंद सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्टूडेंट्स व टीचर्स को नशे के दुष्प्रभाव, डायल 112 व महिला-बच्चों विरुद्ध अपराधों सहित विभिन्न जानकारी दी तथा नशा न करने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर एएसआई ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के इस अभियान से प्रेरित होकर जहां युवा शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं वहीं पर अनेक नशा ग्रस्त युवकों ने नशा छोड़ने की पहल भी की है, जिनका स्थानीय प्रशासन की मदद से इलाज कराकर उन्हें फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला थाना, डायल 112 व दुर्गा शक्ति एप पीड़िता की मदद के लिए है। महिलाएं कभी भी अपनी शिकायत इन पर दे सकती है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में हत्या के तीन आरोपी। फोटो : हरिभूमि

जगमोहन की हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों ने 2 अक्टूबर को वारदात को दिया था अंजाम
- इलाज के दौरान जगमोहन की मौत हो गई

हरिभूमि न्यूज. ▶▶ रेवाड़ी

रामपुरा थाना पुलिस की टीम ने मारपीट कर युवक की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पुराना बिजली घर आदर्श नगर निवासी गौरव उर्फ गौरी, गगन उर्फ कालू व अनिकेत उर्फ अंकित के रूप में हुई है। डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार ने बताया कि मृतक के भाई देवीदास ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 2 अक्टूबर दोपहर को वह जैन हार्डवेयर की दुकान पर काम कर रहा था। तभी मौहल्ले के तीन लड़के गौरव उर्फ गौरी, गगन उर्फ कालू व अनिकेत उर्फ अंकित उसके भाई जगमोहन को घायल अवस्था में एक मोटर साइकिल पर कहीं ले जाते हुए दिखाई दिए। जब उसने अपनी स्कूटी से उनका पीछा किया तो तीनों जगमोहन को ट्रामा सेंटर के अंदर छोड़कर फरार हो गए। ईलाज के दौरान जगमोहन की गंभीर चोटे लगने के कारण मौत हो गई। उसके भाई की लड़कियों ने बताया कि तीनों लड़के जगमोहन को तलाश करते हुए घर पर आए थे और उसके बारे में पूछने लगे। पता जानने के बाद तीनों लडकों ने जगमोहन को पहले रोड से व उसके बाद शमशान घाट में ले जाकर लाठी डंडों से मारपीट की। जब उसकी भतीजियों ने जगमोहन को छुड़वाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की और जगमोहन को मोटरसाइकिल पर डालकर ले गए थे।

पैसे न देने पर वारदात

थाना रामपुरा पुलिस ने नामजद तीनों लड़कों के खिलाफ हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएसपी पवन कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने वारदात शामिल तीनों आरोपियों को रेलवे ट्रैक से गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ करने पर सामने आया कि आरोपी गौरव मृतक जगमोहन से 1500 से उधार मांगता था। पैसे न देने पर आरोपी गौरव ने गगन उर्फ कालू व अनिकेत उर्फ अंकित के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल व लाठी डंडे बरामद कर लिए है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेजा दिया है।

छात्रों का सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों और नैतिक शिक्षा को लेकर किया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहीद रविंद्र कुमार पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाल्हावास में शनिवार को एक्सपर्ट टॉक कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक्सपर्ट टॉक एक्टिविटी के अंतर्गत अंग्रेजी प्रवक्ता सत्यपाल सिंह, प्रवक्ता गणित अशोक कुमार और प्रवक्ता मनोविज्ञान दीपक कुमार ने अपने अनुभव और विषय संबंधी समस्याओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में आने वाली समस्याओं, मोबाइल और सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव और नैतिक शिक्षा के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की कैरियर संबंधी समस्याओं का निराकरण किया।

रेवाड़ी। पाल्हावास स्कूल में विद्यार्थियों को जानकारी देते वक्ता।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विद्यालय की प्रिंसिपल शोभा रानी भारद्वाज, सतीश सोनी, मुकेश कुमार यादव, सुमन यादव, सुशील यादव, मंजीता, अनीता यादव, राजबाला, डेजी दीवान, सुमन, मांगेराम, वंदना व मोना यादव उपस्थित थे।

पंप हाउस पर मिले शव की हुई पहचान, चार दिन से घर से था लापता

कोसली। जुड्डी गांव में नहर के पंप हाउस पर शुक्रवार को मिले शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान जुड्डी गांव के संदीप के रूप में हुई, जोकि चार दिन से घर से लापता था। मृतक के भाई सचिन ने पुलिस को बताया कि वे दो भाई हैं। उनका बड़ा भाई संदीप 30 सितंबर को बिना बताए घर से चला गया था, जिसकी दिमागी हालात ठीक नहीं थी। शुक्रवार को पंप हाउस पर लाश मिलने की सूचना के बाद उन्होंने शनिवार को रेवाड़ी अस्पताल पहुंच कर अपने भाई के शव की पहचान की। मृतक के भाई व परिजनों ने संदीप की मौत पर कोई संदेह नहीं जताया। पुलिस ने सामान्य कार्रवाई करते हुए मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

पर्यावरण सरंक्षण के लिए खेतों में पराली न जलाकर फर्ज निभाएं किसानः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने जिले के किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण बचाने के लिए अपना फर्ज निभाएं और खेतों में पराली नहीं जलाएं। उन्होंने कहा कि हम खुद को और नई पीढ़ी को सुरक्षित व स्वस्थ जीवन दें। डीसी मीणा ने कहा कि वायु प्रदूषण से सांस, फेफड़ों से सम्बंधित बीमारियां तो होती ही है, सामान्य स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जीवन प्रत्याशा में कमी व असमय मृत्यु भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि खेतों में आग लगाने से हवा में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों से पीएम 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है। इससे सिरदर्द एवं सांस लेने में तकलीफ होती है, अस्थमा और कैंसर जैसी बीमारियां भी हो रही हैं।

पराली से जैविक खाद बनाएं

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा।

डीसी ने कहा कि पराली को जलाने से वायु प्रदूषण पर प्रभाव पड़ता है, मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है, मिट्टी में मौजूद कई उपयोगी बैक्टीरिया व कीट नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि इसके उपाय के लिए राष्ट्रीय कृषि नीति का पालन करें, पराली को जलाने के बजाए इससे जैविक खाद बनायें, इसका उपयोग बायोमास एनर्जी, छप्पर बनाने तथा मशरूम की खेती आदि करने में करें। बेल्स बनाकर उद्योगों और पैलेट-ब्रिकेट्स बनाने वाली कंपनियों को बेचें। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि पराली जलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लंघन करने वालों पर आईपीसी की धारा 188 के तहत छह माह की जेल व 30000 रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते है। डीसी ने सभी से आह्वान किया कि हर किसान की जिम्मेदारी है, कोई भी किसान खेतों में पराली न जलाए, इसके लिए दूसरे किसानों को भी जागरूक करें।

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अमन व रचित ने एनडीए में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

यूपीएससी द्वारा घोषित एनडीए की लिखित परीक्षा में एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन दिखाया। स्कूल चेयरमैन सीयाराम यादव ने बताया कि एनडीए की लिखित परीक्षा 14 सितंबर को संघ लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित की गई थी। एनडीए की लिखित परीक्षा अमन पुत्र करण सिंह व रचित पुत्र अनिल कुमार ने परीक्षा उत्तीर्ण की। स्कूल प्राचार्या अनीता यादव ने एनडीए में क्वालीफाइ करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

यदुवंशी की चार छात्राओं ने टॉप10 सूची में बनाई जगह

- इंदिरा गांधी विवि मीरपुर ने बीए द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। यदुवंशी कॉलेज की छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से बीए द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा हर्षिता पुत्री जयप्रकाश ने पूरे विश्वविद्यालय की टॉप–10 सूची में 9.83 एसजीपीए लेकर प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं महक ने 9.67 एसजीपीए लेकर तीसरा, नेहा ने 9.63 एसजीपीए लेकर छठा स्थान हासिल किया। वहीं दीक्षा ने 9.63 एसजीपीए लेकर सातवें स्थान पर कब्जा किया। इन विद्यार्थियों ने यह मुकाम हासिल करके अपना व अपने माता-पिता के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज व क्षेत्र का नाम भी रोशन किया। संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने इनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सब के लिए गर्व का क्षण है। हमें गर्व है कि हमारे कॉलेज के विद्यार्थी लगातार विश्वविद्यालय की टॉप–10 सूची में स्थान बना रहे हैं।

एनआई एक्ट के मामले में उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में पीओ विशाल कुमार।

रेवाड़ी। पुलिस के पीओ स्टाफ ने एनआई एक्ट के मामले में अदालत से उद्धघोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए पीओ की पहचान विशाल कुमार निवासी वार्ड नंबर-14 मौहल्ला शिक्षक कॉलोनी बहरोड़ जिला कोटपूतली राजस्थान के रूप में हुई है। पीओ स्टाफ से एएसआई अजीत राणा ने बताया कि आरोपी विशाल कुमार वर्ष 2021 में एनआई एक्ट के मामले अदालत में पेश न होने पर उद्घोषित अपराधी अदालत से घोषित किया गया था तथा सितंबर 2025 में थाना बावल में अभियोग अंकित किया गया था। मामले में पुलिस के पीओ स्टाफ ने उद्घोषित अपराधी विशाल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रेवाड़ी। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते लोग।

नंदरामपुर बास में संत घनश्याम दास के प्रकाश दिवस पर भंडारे का आयोजन

धारूहेड़ा। गांव नंदरामपुर बास में संत घनश्याम दास के प्रकाश दिवस पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शंकरदास महाराज ने कहा कि लोगों को आज की भागदौड़ भरी जिंदगी को सुधारने के लिए कुछ समय धर्मकर्म में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को बुराइयां त्याग कर अच्छाइयों को ग्रहण करना चाहिए। अच्छाई जब ही ग्रहण हो सकती है, जब अच्छे व्यक्तियों की संगत होगी। इस अवसर पर रूप सिंह नंबरदार, रणधीर सिंह नंबरदार, डा. ज्ञान सिंह, उग्रसेन यादव, बलराम जांगिड़, नारायण, चानसिंह, रामोतार, राजाराम रगबीर यादव, हरचंद व देशराज पंच सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

10 दिन के मंचन के बाद कलाकारों सम्मानित किया गया

अनाजमंडी रामलीला में श्रीराम का भव्य राज्याभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नई अनाजमंडी में शिव रामलीला समिति की ओर से चल रहे रामलीला मंचन का रावण वध व श्रीराम के अयोध्या में राजतिलक के साथ समापन हो गया। के के सक्सेना की निर्देशन में रामलीला का भव्य मंचन किया गया। पंडित किशन चंद वशिष्ठ व दलीप शास्त्री ने पूजन के बाद श्रीराम का राज्याभिषेक किया। शिव रामलीला समिति के प्रधान नवल किशोर गुप्ता की अध्यक्षता में हवन किया तथा समिति के महासचिव दीपक मंगला सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ कलाकरों व सहयोगियों को सम्मानित किया। इस मौके पर सोनू चक्रधारी की ओर से मनमोहक झांकियों का मंचन किया गया।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में हुआ श्रीराम का राजतिलक तथा कलाकारों को सम्मानित करते समिति के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम में इन लोगों ने सहयोग दिया

रामलीला में रामलीला में आशीष शर्मा, नवीन लखेरा, हर्ष गुप्ता, संजीव वशिष्ठ, महेन्द्र मिस्त्री, विपिन अग्रवाल, सोमेश सैनी, राजेश वर्मा, बीडी अग्रवाल, मनोज गुप्ता, राजेश सैनी, राजे रामपुरा, संजय सोनी, नरेंद्र यादव रामपुरा, जेपी पंडित, अनिल, उज्जवल गुप्ता, विनोद रामपुरा, नितिन चावरिया व बब्लू सहित अनेक कलाकारों ने अभिनय किया। रामलीला के आयोजन में मुख्य सरंक्षक लक्ष्मण सिंह यादव विधायक, मुख्य संरक्षक नरेश मित्तल, राकेश कुमार पाल्हावासिया, डा. कविता गुप्ता, उपप्रधान अनिल गोयल, सन्नी गोयल, हरिराम सैनी, एडवोकेट भूपेन्द्र गुप्ता, नगर पार्षद राजेन्द्र सिंघल, राकेश गर्ग, रमेश मित्तल, चंद्रप्रकाश, विरेन्द्र जिंदल, विष्णु गुप्ता, यशपाल यादव, संजय अग्रवाल, संजय चौहान, मीरा रानी, लक्ष्मी गुप्ता, उषा मंगला, अंकिता गुप्ता, अर्चना गोयल व पुष्पा गोयल का सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

कढ़ू में माता भवानी का जागरण आज

रेवाड़ी। जिले के गांव कढ़ू भवानीपुरा में ग्रामीणों के सहयोग माता भवानी का जागरण व भंडारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें गांव कढ़ू के साथ-साथ आसपास गांव के लोग भी भाग लेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि 5 अक्तूबर की शाम को माता रानी का जागरण किया जाएगा, जिसमें कलाकारों की पार्टी माता का गुणगान करेगी और झांकियों से लोगों का मनोरंजन करेंगी। 6 अक्तूबर को हवन यज्ञ के बाद माता रानी का भंडारा लगाया जाएगा।

मनेठी की शशिबाला बनी सहायक प्राध्यापक

खोल। मनेठी निवासी शशिबाला ने क्षेत्र में बड़ा मुकाम हासिल किया है। शशिबाला का हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र के पद पर चयन हुआ है।

पिता दयानंद जांगिड़ ने बताया कि शशिबाला ने अपनी 10वीं और 12वीं की शिक्षा गांव के राजकीय विद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद बीएससी और एमएससी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की। वर्तमान में वे एम्स दिल्ली से पीएचडी कर रही हैं। उसकी सफलता न केवल व्यक्तिगत मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व की बात है।

सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या 14 को

रेवाड़ी। सोलहराही सेक्टर-1 स्थित प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में 14 अक्टूबर को शाम को 5 बजे से सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद मंदिर परिसर में 7 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। पुजारी बिजेन्द्र भारद्वाज बालाजी धाम वाले ने बताया कि कार्यक्रम में रेवाड़ी से गायक गोपाल वर्मा व दिल्ली से गायक धर्मबीर फौजी मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे।

सभी अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लें

स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वस्थ भारत का संकल्प

जिला नागरिक अस्पताल में डॉक्टर्स और कर्मचारियों की टीम ने की साफ-सफाई

प्रत्येक शनिवार को सफाई अभियान चलाया जाएगा

रेवाड़ी। नागरिक अस्पताल में सफाई अभियान चलाते हुए कर्मचारी तथा नागरिक अस्पताल में कर्मचारियों के साथ सफाई करते पीएमओ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वस्थ भारत के संकल्प के साथ शनिवार को जिला नागरिक अस्पताल में डॉक्टर्स व कर्मचारियों की टीम ने सघन सफाई अभियान की श्रृंखला के अंतर्गत ग्यारहवां विशेष सफाई अभियान चलाया। यह अभियान मुख्यमंत्री नायब सैनी के स्वच्छ एवं स्वस्थ हरियाणा के विजन, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के मार्गदर्शन तथा विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के आई लव रेवाड़ी अभियान की भावना को साकार करने की दिशा में चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान प्रातः 6:30 बजे से 9 बजे अस्पताल परिसर में सफाई की।

इन जगहों पर की गई सफाई

अभियान का नेतृत्व प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. सुरेंद्र यादव ने किया। अभियान में उप चिकित्सा अधीक्षक डा. इंद्रजीत यादव, नर्सिंग अधिकारी, सुपरवाइजर, सफाईकर्मी, तकनीकी स्टाफ एवं स्थानीय नागरिकों ने सहयोग दिया। अभियान के अंतर्गत अस्पताल के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। नागरिक अस्पताल में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन क्षेत्र, पीएम केयर पीएसए प्लांट, जेनसेट एरिया, पुराने क्वार्टर, धोबी घाट, पार्किंग एरिया तथा पार्क एवं जंकयार्ड पर साफ-सफाई की गई।

पीएमओ बोले

इस मौके पर पीएमओ डा. सुरेन्द्र यादव ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अस्पताल परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और रोगी-अनुकूल वातावरण प्रदान करना था, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को एक स्वच्छ एवं सकारात्मक माहौल में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि सफाई का यह क्रम लगातार जारी रहेगा और प्रत्येक शनिवार को सफाई अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान निश्चित रूप से आने वाले समय में अस्पताल की स्वच्छता में सुधार होगा।

अभियान एक मजबूत आधारशिला सिद्ध होगा

अभियान में सीनियर नर्सिंग ऑफिसर अनीता सैनी, राजबाला यादव, सुपरवाइजर मदन व अजय, सैनिटेशन स्टाफ से अजय, मंगल, नवीन, वार्ड अटेंडेंट हरीश, कंवर सिंह व पूनम, सिक्योरिटी गार्ड हरीश, विजय यादव, लिफ्ट ऑपरेटर, गैस मैनिफोल्ड स्टाफ से सचिन व माली पवन कुमार सहित अनेक कर्मचारियों ने सहयोग दिया। अभियान के दौरान पीएमओ डा. सुरेंद्र यादव ने भी कर्मचारियों के साथ मिलकर करीब तीन घंटे तक सफाई कार्य किया और सभी कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लें, उन्होंने कहा कि यह अभियान निश्चित रूप से आने वाले समय में स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर रेवाड़ी की दिशा में एक मजबूत आधारशिला सिद्ध होगा।

रेवाड़ी। समारोह में विद्यार्थियों का प्रमाण पत्र भेंट करते अतिथि। फोटो :हरिभूमि

कुंड-मनेठी आईटीआई में दीक्षांत समारोह

245 विद्यार्थियों को दिए गए सर्टिफिकेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुंड-मनेठी में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्यातिथि फिरोजपुर झिरका के एसडीएम लक्ष्मी नारायण ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में चेयरमैन नरेंद्र यादव, सरपंच मनेठी देशराज व डा. आनंदराज शर्मा मौजूद थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य जयदीप कादियान ने की। समारोह में विभिन्न ट्रेडों के 245 पासआउट विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

आईटीआई से प्रशिक्षित विद्यार्थी अलग पहचान बना रहे

इस मौके पर प्राचार्य जयदीप कादियान ने बताया कि आईटीआई से प्रशिक्षित विद्यार्थी न केवल रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि विभिन्न उद्योगों में भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोहा। मुख्य अतिथि एसडीएम लक्ष्मी नारायण ने कहा कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा को भी बढ़ावा दे रही है। इसके लिए प्रदेशभर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई है, ताकि युवा आधुनिक तकनीकी ज्ञान से लैस होकर देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि कुंड की आईटीआई ने अपनी मेहनती टीम की बदौलत न केवल जिले में, बल्कि प्रदेश स्तर पर भी विशिष्ट पहचान बनाई है। सुपरिडेंट विनोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार जताया। प्राचार्य कादियान ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला

वनवास पूरा करके अयोध्या पहुंचे श्रीराम का हुआ राजतिलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के अंतिम चरण में शुक्रवार रात्रि श्रीराम 14 वर्ष के वनवास के बाद सीता, लक्ष्मण व हनुमानजी सहित अयोध्या लौट आते हैं। उनके आने की खुशी में राजमहल सहित घर-घर दीप प्रज्वलित कर खुशियां मनाई जाती है।

श्रीराम का राजतिलक करके अयोध्या का राजा बना दिया जाता है। रामलीला समिति के सदस्यों व कलाकारों ने श्रीराम का पूजन कर तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया।

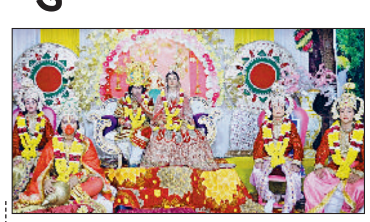

इन्होंने ने किया अभिनय

रामलीला में ललित ने श्रीराम, रूपेश ने सीता, हिमांशु ने लक्ष्मण, भारत गुप्ता ने भरत, दीपक यादव ने शत्रुघ्न, वैभव शर्मा ने हनुमान और अमित कश्यप ने गुरु विश्वामित्र की भूमिका निभाई। रामलीला के प्रधान अनुकूल शर्मा, मुख्य संरक्षक अशोक शर्मा, सचिव याद के सुगंध, राजेश पंवार, डा. सुभाष गुप्ता, सुरेश सेन, रमेश वशिष्ठ, श्रीपति शेखावत, शाम गुप्ता, विजय पंवार, भारत भूषण कश्यप, मनीष सैन, सुनील भटनागर, विकास गुप्ता, जयभूषण शर्मा, बाबूलाल गुप्ता, लालाराम गुप्ता, नानक गुप्ता, काकी अग्रवाल, मोनू डुडेजा व अजय कुमार सहित अभी सदस्यों ने श्रीराम दरबार का पूजन किया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह कल

रेवाड़ी। महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में 6 अक्टूबर को जिला स्तरीय समारोह का आयोजन बाल भवन ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे किया जाएगा। समारोह में म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम में स्वच्छ वातावरण बनाने में सहभागी रहे श्रेष्ठ सफाई योद्धाओं को सम्मानित करते हुए आमजन को भी स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया जाएगा। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के तत्वावधान में संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत प्रदेश भर में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से विधायक डा.कृष्ण कुमार व कोसली से विधायक अनिल यादव संयुक्त रूप से मुख्यातिथि रहेंगे।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय योगासन खेल में दिखाया दम, एक गोल्ड सहित सात मेडल पर कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

छठी राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन विजयवाड़ा आंध्रप्रदेश में किया गया, जिसमें जूनियर व सीनियर सी वर्ग के करीब 1050 खिलाड़ियों व ऑफिशियल ने भाग लिया। हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के राज्य सचिव डा. युद्धवीर ने बताया की प्रतियोगिता में राज्य से कुल 24 खिलाड़ियों की टीम ने हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन व हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. जयदीप आर्य के मार्गदर्शन तथा पुरुष टीम कोच रोहित, महिला टीम कोच अन्नू एव टीम मैनेजर भारत भूषण के नेतृत्व में भाग लिया।

सचिव ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने

प्रतियोगिता में 1050 खिलाड़ियों व ऑफिशियल ने भाग लिया

बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विभिन्न इवेंट में 1 गोल्ड, 4 सिल्वर व 2 ब्रोंज मेडल हासिल कर 7 मेडल पर कब्जा किया। हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य, हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन चेयरमैन डा. धर्मदेव विधार्थी व जीटीसीसी रिटायर्ड आईजी ईश्वर सिंह दुहन ने इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों को बधाई दी। डा. जयदीप आर्य ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से योग व योगासन खेल को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे है। डा. युद्धवीर ने कहा कि आने वाले समय में खिलाड़ियों को और सुविधाएं देने के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे।

रेवाड़ी। हरियाणा के पदक विजेता खिलाड़ी अतिथियों के साथ। फोटो :हरिभूमि

इन खिलाड़ियों ने जीते प्रतियोगिता में मेडल

जूनियर वर्ग लड़कों के कलात्मक समूह वर्ग में हर्ष, हिमांशु, पार्थ, इमरान व रवि ने एक रजत पदक, लड़कियों की लयबद्ध जोड़ी में डॉली और सलोनी ने एक कांस्य पदक, लड़कियों की ट्विस्टिंग बॉडी व्यक्तिगत में सृष्टि ने रजत पदक, पारंपरिक योगासन इवेंट में सृष्टि ने कांस्य पदक, पारंपरिक योगासन इवेंट में पार्थ ने रजत पदक तथा सीनियर सी वर्ग में लेग बैलेंस व्यक्तिगत में बीरेंद्र ने रजत पदक व लेग बैलेंस व्यक्तिगत में बीरेंद्र ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

मुंबई सेंट्रल-गुरुग्राम एकतरफा सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा का संचालन आज

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए वंदे भारत के तरह मुंबई सेंट्रल-गुरुग्राम एकतरफा सुपरफास्ट अतिरिक्त स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 09153 मुंबई सेंट्रल-गुरुग्राम एक तरफा सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा 5 अक्टूबर एवं 6 अक्टूबर को मुंबई सेंट्रल से सुबह 10:30 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर अगले दिन सुबह 3:40 बजे आगमन व 3:50 बजे प्रस्थान करके सुबह 8:20 बज गुरुग्राम पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़ जंक्शन, अजमेर, जयपुर, अलवर एवं रेवाड़ी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

- रेलवे की ओर से त्योहारी सीजन में यात्री यातायात को देखते हुए उठाया कदम

धारूहेड़ा में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

स्वच्छ रेवाड़ी जिला अभियान के तहत विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के नेतृत्व में शनिवार को धारूहेड़ा में रामनगर बास रोड पर सफाई अभियान चलाया गया और लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर टीम ने रोड पर साफ-सफाईकी। अभियान के दौरान विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने लोगों के साथ झाड़ू लगाकर सड़कों के दोनों से कचरे को उठवाकर निस्तारण कराया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे घर, परिवार, गली, मोहल्ला सहित पूरे क्षेत्र में हर वर्ग को सुखद अहसास देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में स्वच्छ शहर अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें रेवाड़ी जिले का धारूहेड़ा शहरी क्षेत्र प्रदेश के सुखद व स्वच्छ वातावरण की रैंकिंग में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में टीम के साथ सफाई करते हुए विधायक। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। जेल परिसर में बंदियों का जानकारी देते ब्रहमप्रकाश भारद्वाज। फोटो :हरिभूमि

प्राणायाम का नियमित अभ्यास करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सेवा पखवाड़ा के समापन अवसर पर जिला जेल परिसर में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की ओर से बंदियों एवं स्टाफ के लिए ध्यान और प्राणायाम के विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जेल परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इस मौके पर आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक ब्रह्मप्रकाश भारद्वाज ने कहा कि ध्यान और प्राणायाम का नियमित अभ्यास जीवन में सुख, स्वास्थ्य एवं ऊर्जा प्रदान करता है और व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि पेड़ ऑक्सीजन के प्रमुख स्रोत हैं और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में हवलदार मनोरमा, हंसराज हुड्डा, नीलम हवलदार, राकेश देवी, वर्षा कुमारी एवं पवन कुमार उपस्थित थे। संस्था से भारद्वाज ने जेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

कचेरा राजपूत समाज के प्रधान बने यादराम

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा में शनिवार को कचेरा राजपूत समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान यादराम गोंड ने की। इस अवसर पर कचेरा राजपूत समाज की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से यादराम गोंड को प्रधान, राकेश चोटान उर्फ पोंजी को उपप्रधान, टीकम भाटी को सचिव, मोतीराम गोंड को सह-सचिव, मुकेश भाटी को कोषाध्यक्ष, मुकेश सांखला को सह कोषाध्यक्ष, रिंकू पंवार को संगठन मंत्री, संजय भाटी को सहसंगठन मंत्री, मुकेश सिकरवाल को सहसंगठन मंत्री, भोजराज गोंड को प्रचार मंत्री, संजय गोंड को सह प्रचार मंत्री, प्रदीप गोंड को मीडिया प्रभारी, पंकज शेखावत को सदस्य मनोनित किया गया।

एकादशी पर श्याम संकीर्तन में मनमोहक भजनों पर झूमे श्रृद्धालु

'इक नजर कृपा की कर दो लाडली श्री राधे, करूणामयी...

नई अनाजमंडी स्थित श्री श्याम बाबा के मंदिर में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नई अनाजमंडी स्थित श्री श्याम बाबा के मंदिर में शुक्रवार रात्रि एकादशी पर श्री श्याम प्रभु के 121वें संकीर्तन का आयोजन किया गया। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में जयपुर से भजन गायिका कोमल शर्मा व गोकलगढ़ से गायक संजय शर्मा ने अनेक मनमोहक भजनों से श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। एकादशी पर श्याम बाबा का मनमोहक श्रृंगार नई अनाजमंडी निवासी गौरव अग्रवाल ने पुत्र रत्न की प्राप्ति पर कराया। श्रृंगार सेवा ग्रुप के सदस्यों ने श्याम बाबा की विधिवत रूप से ज्योत प्रज्वलित करके संकीर्तन का शुभारंभ किया। शनिवार को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

रेवाड़ी। संकीर्तन में सजा श्रीश्याम बाबा का भव्य दरबार तथा संकीर्तन में भजन गाते हुए गायिका कोमल शर्मा। फोटो :हरिभूमि

श्याम बाबा के जागरण में इन्होंने लगाई हाजरी

श्याम बाबा के जागरण में चरत अग्रवाल, रवि भट्ठेवाले, विजय अग्रवाल, राजन अग्रवाल, रितेश बंसल, विकास बंसल, राजुल, अमित गुप्ता, महेश गोयल, मनीष सचदेवा, अनिल मखीजा, संजय सहगल, सुभाष शर्मा, नवीन भारद्वाज, राहुल, कविता, अभिलाषा, मयूर गोयल, कुशल गोयल, मीनाक्षी, शीतल, वंदना, नंदिनी व आरती सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हाजरी लगाई।

गायकों ने मनमोहक भजनों से किया भाव विभोर

एकादशी पर गोकलगढ़ से भजन गायक संजय शर्मा ने गणेश वंदना व 'बाबा आता है, मेरा बाबा आता है, अपने भगत की आंखों में आंशू देख न पाता है'...सहित अनेक भजन सुनाकर श्रृद्धालुओं को भाव विभोर किया। इसके बाद जयपुर से गायिका कोमल शर्मा ने अनेक भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। भजन गायिका ने 'श्याम तेरे भक्तों को तेरा ही सहारा है', 'बाबा तेरी इतनी कृपा मैं पाता रहूं, तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं'.., ' तेरी कृपा से ही चले परिवार सांवरे, तेरी दया पे ही बने घर बार सांवरे', 'इक नजर कृपा की कर दो लाडली श्री राधे, लाडली श्री राधे-लाडली श्री राधे, करूणामयी कृपामयी, मेरी दयामयी श्यामा'.. सहित अनेक भाव भरे भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया।

कवर स्टोरी
डॉ. गरिमा संजय दुबे

आज के दौर की जीवनशैली इतनी तेज हो चुकी है कि हर कोई, सब कुछ तुरंत पा लेना चाहता है। तुरंत सफल न होने पर हम तनाव और अवसाद से घिर जाते हैं। जल्दबाजी की इस प्रवृत्ति के कारण हम जीवन का आनंद लेना ही भूलते जा रहे हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम जरा ठहरें और जीवन को संतुलन के साथ जीने का प्रयास करें।

किस बात की है इतनी जल्दबाजी !

महान संत कवि कबीर दास का प्रसिद्ध दोहा है-

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आवे फल होय।।

इसमें कबीर दास जी कहते हैं कि मन में धीरज रखने से ही सब होता है। यानी किसी कार्य को पूरा होने में निर्धारित समय लगता है। इसलिए अनावश्यक जल्दबाजी या अधीर होना सही नहीं है।

अकसर लोग यह भी कहते सुने जाते हैं कि समय से पहले और भाग्य से अधिक कुछ नहीं मिलता। यदि यहां भाग्य को नकार भी दिया जाए तो समय को तो नकारा नहीं जा सकता। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और उस पर दिखावे के साथ भौतिकतावादी तत्वों के आकर्षण ने केवल युवा ही नहीं प्रौढ़ और अधेड़ उम्र के व्यक्तियों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस वजह से लोगों में धीरज कम होता जा रहा है। हर कोई सब कुछ जल्द से जल्द पा लेना चाहता है। क्यों बढ़ रही है यह मनोवृत्ति, इसके क्या हैं परिणाम और इससे बचने के उपायों के बारे में हम सभी को विचार करना जरूरी है।

पहचान पाने की होड़

यह सही है कि इस दुनिया में हर इंसान अपनी अलग विशिष्ट पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है, करना भी चाहिए। लेकिन आज यह प्रवृत्ति बड़ी तेजी से असंतुलन का कारण बनती जा रही है। एक-दूसरे से अंतहीन होड़, उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे की तर्ज पर, अब यह अहंकार पुष्टि का पर्याय भी बनती जा रही है। अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा बुरी नहीं है, लेकिन उसकी हड़बड़ी जरूर व्यक्तित्व में असंतुलन पैदा कर सकती है। सब कुछ एक साथ, अभी के अभी मुझे मिल जाए। मैं हर जगह मौजूद रहूं, हर कहीं, पुरस्कार केवल मेरे हिस्से में आएं, केवल मेरी ही चर्चा हो, सब मुझे चाहें, सब मुझे सराहें, केवल मेरे पास ही सब हो, सब मेरी सुनें, सब मेरे ज्ञान से लाभान्वित हो (गोया कि ज्ञान पर केवल आपका कॉपीराइट है) और मैं इस वाह-वाह के बादलों पर सवार हो उड़ान भरूं। ऐसी सोच ना तो पूरी तरह व्यावहारिक है और ना ही सही कही जा सकती है।

सोशल मीडिया की भूमिका

वास्तव में देखा जाए तो पहले की तुलना में पहचान का संकट अब उतना रहा नहीं है कि आपमें कोई विशिष्ट गुण हो और आप अनदेखे रह जाएं। सोशल मीडिया ने प्रचार-प्रसार के तमाम साधन उपलब्ध करवाए हैं। हालांकि सोशल मीडिया के कई लाभ हैं तो कई नुकसान भी हैं। इसके जरिए पॉपुलर होने की धुन में इन दिनों रील बनाने की लत युवाओं को लग गई है। इस लत के चलते कई बार सफलता मिलने के बाद फिर फॉलोअर्स में कमी आने पर युवा अवसाद में भी चले जाते हैं। इससे आत्महत्याओं की खबरें भी आती रहती हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। सोशल मीडिया के जरिए रातों-रात सफलता मिलने पर उसे सही तरीके से संतुलित करने का प्रयास होना चाहिए और उसकी लत से जीवन समाप्त कर देने की अति से भी बचा जाना चाहिए। यही नहीं इंस्टेंट सक्सेस की चाह आज के दौर में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। जीवनशैली में इस भाग-दौड़ की प्रवृत्ति का यह असर है कि लोग कामयाबी भी जल्दी हासिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही आजकल कुछ लोग, दूसरे सफल लोगों की उपलब्धियों को देख-देखकर हीनभावना से ग्रसित होने लगते हैं। सफलता पाने की आस कतई गलत नहीं है। सबके अपने-अपने लक्ष्य होते हैं, जिन्हें पाने का वे प्रयास करते हैं। लेकिन जीवन में कोई भी बड़ी सफलता इंस्टेंटली नहीं मिलती है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि बड़ी सफलता पाने के लिए सधी हुई निरंतर गति, प्रयास और स्तरीय रचनाधर्मिता जरूरी होती है। लक्ष्य की प्राप्ति, धैर्य के साथ सही प्रयास की मांग करती है। स्थायी सफलता, छोटे-छोटे लेकिन सार्थक कदमों का परिणाम होती है।

सबकी क्षमताएं होती हैं भिन्न

किसी को सफल देखकर हम यह नहीं सोचते कि उस व्यक्ति की क्षमता, योग्यता, समय की उपलब्धि, जिम्मेदारियों का प्रकार अलग हो सकता है। आमतौर पर किसी को सफल देखकर हम दो तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं। एक, जब वो कर सकता या सकती है तो मैं क्यों नहीं? दूसरी, अरे उनके पास कोई काम-काज है नहीं, फुर्सत रहती है, इसलिए बस लगे रहते हैं। भई हमें तो और भी बहुत काम हैं। इसलिए उनके जैसी सफलता नहीं पा सके। दोनों ही प्रतिक्रियाएं अतिवादी हैं और गलत भी। न तो हर कोई हर कार्य कर सकता है और न ही वो इसलिए अच्छा काम कर पा रहा है, है क्योंकि उसके पास फालतू का टाइम रहता है। आपको समझना चाहिए कि उस व्यक्ति की लगन, प्रयास और समय प्रबंधन आपसे बेहतर है। जिस तरह यह कहा जाता है कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता, सबकी अपनी-अपनी क्षमता होती है, ठीक यही बात बड़ों को भी समझनी होगी कि हम सब भिन्न-भिन्न प्रकृति के, भिन्न-भिन्न योग्यता वाले इंसान हैं। कोई कवि है, कोई खिलाड़ी, कोई अच्छा खाना बनाता है तो कोई अच्छा गाता है, कोई सामाजिक स्तर पर सक्रिय है तो कोई घरेलू मोर्चे पर सफल है, किसी ने जॉब को प्राथमिकता माना है तो किसी ने घर को, हममें से कोई भी असफल नहीं है। हमें अपने क्षेत्र में प्रवीणता हासिल कर सफल होने का प्रयास करना चाहिए, न कि दूसरों की नकल करके या उससे ईर्ष्या करके उस क्षेत्र में प्रयास करना चाहिए, जिसकी प्रतिभा हम में है ही नहीं।

खुद को ना मानें असफल

ऐसा सोचना सही नहीं है कि जिसकी चर्चा अधिक होती है, तो वह सफल है। यदि किसी व्यक्ति में दुनिया को बताने या चर्चित होने के लिए कोई विशेष गुण न भी हो, तो भी वह एक व्यक्ति एक इकाई के रूप में तो सफल है ही। आखिर हम पर सफलता का इतना दबाव क्यों होना चाहिए? हमें सोचना चाहिए कि इससे क्या फर्क पड़ता है, यदि मुझे कुछ कम लोग जानते हैं? किसी को 2000 लोग जानते हैं और किसी को 500 तो क्या फर्क पड़ जाएगा? आपकी सफलता का मानक सिर्फ आपकी सोशल पॉपुलैरिटी पर निर्भर नहीं करता है। इसका एक मानक यह भी है कि आपकी अपने परिवार, अपने सोशल और फ्रेंड सर्कल में कैसी इमेज है? आप अपने दायित्वों का कितनी अच्छी तरह से निर्वहन करते हैं?

सही नहीं जल्दबाजी का तनाव

यह कहना गलत नहीं होगा कि आधुनिक जीवनशैली ने स्लो एंड स्टेडी की जगह हमें फास्ट एंड फ्यूरियस बना दिया है। धैर्यवान की जगह हम में से अधिकतर अधीर होते जा रहे हैं। शांति के बजाय मन में बेचैनी सी छाई रहती है। अपने साथ दूसरों की उन्नति देख प्रसन्न होने की जगह ईर्ष्या का भाव जन्म लेने लगता है। सफलता की चाह में सक्रिय होने के बजाय हाइपर एक्टिव होते जा रहे हैं हम। इससे हम अनचाहे तनाव से घिरकर अपने जीवन को अशांत और अव्यवस्थित बना लेते हैं। ऐसे में ठहरकर विचार करने की जरूरत है। कहते हैं, 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' जरूरत से अधिक सक्रियता, तेजी और जल्दबाजी, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिरता को नष्ट कर देती है। थोड़ा धैर्य और थोड़ी स्थिरता से हम बेहतर परिणाम पा सकते हैं। *

न्यू लाइफस्टाइल / अंशु सिंह

जेन जी यानी बिल्कुल नई पीढ़ी के बच्चे और युवा, हाथ से लिखने के बजाय कीपैड पर कंपोज करना आसान मानते हैं। लेकिन हैंड राइटिंग से बढ़ती यह दूरी, इस पीढ़ी के लिए किस तरह नुकसानदेह है, इस बारे में ध्यान देने की जरूरत है।

हैंड राइटिंग से बच रही जेन जी

आज की डिजिटल तकनीक के विस्फोट ने जहां हमारे संवाद और सीखने के तरीके को बदल दिया है। दूसरी ओर बच्चों की मोबाइल फोन और वीडियो गेम्स की लत से पहले से परेशान पैरेंट्स, अब उनकी लिखावट को लेकर भी चिंतित रहने लगे हैं। खासकर जेन जी पीढ़ी (पीयू रिसर्च के मुताबिक, जेन जी यानी जेनरेशन जेड, वह पीढ़ी है, जो 1997 और 2012 के बीच पैदा हुई है। इन्हें

जूमर्स या पोस्ट मिलेनियल्स भी कहते हैं।) पेन और पेंसिल से बचने लगी है। इसलिए वे हाथ से लिखना भूलते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार, हाथ से लिखना साक्षरता और संज्ञानात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है।

नहीं लिखना चाहती नई पीढ़ी: कोविड के दौरान जब ऑनलाइन क्लासेज का सिलसिला शुरू हुआ, तो बच्चों का डिजिटल समय पहले से कई गुणा बढ़ गया। उस दौर में शिक्षा जारी रखने का दूसरा कोई विकल्प भी नहीं था। लेकिन एक समय के बाद शिक्षकों और पैरेंट्स दोनों को आभास हुआ कि बच्चे लिखना नहीं चाह रहे। वे हाथ से लिखने से बच रहे हैं। अब स्टेवांगर यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन बताता है कि करीब 40 फीसदी जेन जी पीढ़ी हस्तलिखित संवाद पर अपनी पकड़ खोती जा रही है। उनकी लेखनी में न सफाई दिखाई दे रही है और न ही स्पष्टता।

डिजिटल मीडिया ने बदला संवाद का तरीका: दरअसल, डिजिटल टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया ने आपस में संवाद के पूरे तरीके को ही बदल दिया है। बच्चे हों या नौजवान, सभी वाट्सएप, टेलीग्राम, स्नैपचैट पर संक्षिप्त संदेशों या इमोजी के जरिए अपनी बात रखना पसंद करते हैं। कम से कम शब्दों में सूचनाएं देने की कोशिश करते हैं। कई बार सिर्फ 10 शब्दों में पूरी बात खत्म हो जाती है। ये स्लैंग के माध्यम से साझा किए गए छोटे विचार होते हैं। इससे लिखने की आदत छूटती जा रही है। स्टेवांगर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेदरेट किलिसेरी ने जब इस प्रवृत्ति पर शोध किया तो पाया कि इन दिनों कॉलेज स्टूडेंट्स के पास बुनियादी लेखन कौशल की कमी होती जा रही है। वे लंबे वाक्य संरचनाओं के बजाय छोटे वाक्य लिख रहे हैं। कलम की जगह की-बोर्ड का प्रयोग करने के कारण कई स्टूडेंट्स के लिए कागज पर खुद को ठीक से अभिव्यक्त करना मुश्किल हो रहा है। वे न पत्र लिख पाते हैं और न ही औपचारिक ई-मेल। यही पीढ़ी जब वर्कफोर्स का हिस्सा बनती है तो उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी प्रेजेंटेशन स्किल से लेकर अन्य कौशल प्रभावित होते हैं।

हस्तलिपि से बढ़ती है याद्दाश्त: शिक्षा में हस्तलेखन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो संज्ञानात्मक विकास, सीखने की क्षमता को बनाए रखने और शैक्षणिक प्रदर्शन में योगदान देता है। जब बच्चे हाथ से लिखना सीखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई क्षेत्र सक्रिय होते हैं, जो गतिशील कौशल, स्मृति और भाषा अधिग्रहण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा, यह प्रक्रिया तंत्रिका संबंधों को बढ़ाती है, जो पढ़ने और लिखने में सहायक होते हैं। साक्षरता और समग्र संज्ञानात्मक विकास की नींव रखते हैं। हस्तलेखन केवल संज्ञानात्मक लाभ ही नहीं प्रदान करता, यह रचनात्मकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देता है। प्रत्येक छात्र की अनूठी लेखन शैली उनके आत्मविश्वास और संलग्नता को बढ़ा सकती है, जिससे सीखने का अनुभव अधिक व्यक्तिगत और सार्थक बन जाता है। इसके अतिरिक्त, हस्तलेखन अनुशासन और

एकाग्रता को बढ़ावा देता है। इससे याद्दाश्त तेज होती है। तभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नोट्स बनाने पर ध्यान देते हैं। लिखने का अभ्यास करते हैं।

मानसिक रोगों से निपटने में मददगार: नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में न्यूरोसाइकोलॉजी की प्रोफेसर ऑड्रे वैन डेर मीर के अनुसार, हाथ से कुछ लिखना, टाइप करने की तुलना में मस्तिष्क पर अलग तरह से प्रभाव डालता है। इससे छात्र लिखी गई जानकारी को बेहतर ढंग से याद रख पाते हैं। कोई भी पीढ़ी हस्तलिपि के फायदों को नजरअंदाज नहीं कर सकती, क्योंकि हाथ से लिखने के अनेक लाभ हैं। इससे अलग हटकर सोचने में मदद मिलती है। यह दिमाग को दैनिक दिनचर्या से हटकर खुद को अभिव्यक्त करने की आजादी देता है। अकसर जब हमारा मन किसी खास चिंता में घिरा रहता है, तो हाथ से लिखने पर विचारों की गति धीमी होती जाती है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि हस्तलेखन से अवसाद और चिंता दूर होती है। *

दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

शरद पूर्णिमा

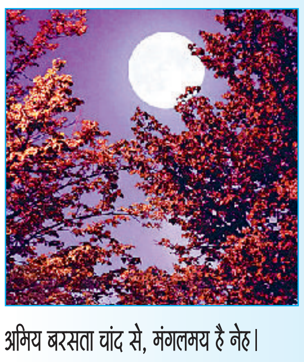

अमिय बरसता चांद से, मंगलमय है नेह।
हृदय नवल आवेग में, हुई तरंगित देह।।
शशि की किरणें शुभ्र हैं, अंतर में आनंद।
पूर्णमासी आ गई, सबको आज पसंद।।
प्रीति चढ़ी परवान है, मादक हुए विचार।
तम ने खाई मात है, निखर रहा उजियार।।
प्रेमातुर संसार है, वादों का विस्तार।
सबको आकर्षित करे, देखो अब अभिसार।।
छत पर बैठा है युगल, ले हाथों में हाथ।
चंदा भी देने लगा, प्रेमपगों का साथ।।
खिलती ज्योत्स्ना भली, बांट रही जो प्यार।
खीर खा रहा है जगत, बढ़ने लगा दुलार।।
शरद निशा चोखी हुई, बनी एक सौगात।
कोमल है अब चेतना, दिव्य हुए जज्बात।।
शरद चांद में है दमक, नया हुआ संसार।
प्रकृति पा गई प्रेम का, अनुपम नव उपहार।।

व्यंग्य / अशोक गौतम

मंत्री जी का जंगलारोपण इवेंट

मंत्री जी ने चमचों के साथ दो घंटे से चल रही गप्पों की गंभीर बैठक अचानक रोकी और पीए को बुलाया,'पीए साहब! इस महीने के सारे जनहित काम हो गए न? देखो, हमें पेंडेंसी कतई पसंद नहीं।'

'जी जनाब! आपके चुनाव क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त एरिया का भाभी जी ने पूरा दौरा कर लिया। वह भी एक बार नहीं, चार-चार बार ताकि चुनाव क्षेत्र का कोई भी बाढ़ग्रस्त कोना उनकी आंखों से ओझल न रहे। आपके बाढ़ प्रभावितों के प्रति संवेदनाओं को लेकर जितने प्रेस नोट और फोटो अखबारों में छपे, वे दूसरे मंत्रियों से दुगने ही छपे। बधाई हो सर!'

'गुड! वैरी गुड! और अब इस माह का बचा क्या है जनता को करने को?'

'सर! सॉरी! एक बात तो बताना भूल ही गया था।' कहते हुए पीए ने अपना सिर झुका लिया तो मंत्री जी ने पूछा,'क्या?'

'सर! बरसात गुजर गई। पर सर, इस बार आपके कर कमलों द्वारा अब तक सद्भावना का पौधा नहीं लगा।'

'क्यों?'

'सर आप जनहित के दूसरे कामों में व्यस्त ही इतने थे कि मुझे लगा आप ओवर लोडेड हो जाएंगे। लेकिन सर! हर साल आपका पर्यावरण बचाने के लिए पौधा लगाना बहुत जरूरी है। आपका लगाया एक पौधा लाखों पौधों में जान फूंकता है सर! जब तक आप पौधा नहीं लगाते, जनता भले ही कितने ही पौधे क्यों न लगा ले, उनका कोई महत्व नहीं होता। वे पर्यावरण की रक्षा नहीं कर पाते। वे जंगल नहीं बन पाते।'

'पर, ये इतना जरूरी है क्या?' मंत्री जी ने पूछा।

'सर! आपको पर्यावरण हित में पौधा हर हाल में लगाना होगा। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ जाएगी। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो अगले साल बसंत में ही लू चलनी शुरू हो जाएगी। इसलिए जनहित में आपको पौधा लगाना ही होगा सर!'

'अच्छा! पर यार लगाएंगे कहां?'

'इसका भी इंतजाम मैंने कर लिया है सर! आप अपने ऑफिस में ही जंगलारोपण करेंगे।' 'ऑफिस में! यहां मेरे कठोर अनुशासन के डर से पौधा सूख गया तो?'

'ऐसा नहीं होगा! सर! आपके लगाए पौधे आज तक सूखे कहां जो यह पौधा सूख जाएगा? आपके हाथों में वह जादुई शक्ति है, जो आप सूखे बांस की टहनी भी लगाएं तो वह भी दूसरे ही दिन बिन खाद पानी के हरी हो जाए। आप जैसे जनसेवक लोकतंत्र में युगों बाद जनता की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं सर।' पीए ने चमचों के सामने उनमें हवा भरी तो जनाब आसमान में पहुंच गए।

'तो इसके लिए करना क्या होगा? इतनी जल्दी इवेंट मैनेज हो जाएगा क्या?' मंत्री जी आर्टिफिशियली गंभीर हुए, 'क्यों नहीं जनाब! बंदा है किसलिए? अभी प्रेस नोट बनाकर भेज देता हूं कि कल मंत्रीजी अपने ऑफिस में जंगलमहोत्सव मनाते प्रेम भाईचारे, तप, त्याग का अजर अमर कल्पवृक्ष लगा रहे हैं। इस अवसर पर वे एक और वृक्ष पर्यावरण को समर्पित करेंगे।'

'और भीड़ का क्या होगा?'

'आप चिंता न करे जनाब! आपके विभाग के सारे अफसर बुला लिए जाएंगे। वे और करते भी क्या हैं सर? और आपके जंगल-महोत्सव में जो सबसे हटकर होगा वह ये कि सब हरे कपड़े, हरे जूते, हरे मौजे, मुंह पर हरा रंग पोते आएंगे ताकि पौधा लगने से पहले ही वातावरण हरा-भरा हो जाए।' 'पर पौधा किस चीज का लगाएंगे? तुम्हें तो पता है कि हम सेकुलर कम नॉन सेकुलर हैं। सब में पौधे को लेकर भी मेरी तरह भ्रम की स्थिति बनी रहनी चाहिए।'

'सब समझ गया जनाब! आप चिंता न करें। ऐसा ही होगा। सर! अब बजट की बात भी हो जाए तो?'

'बजट कितना?'

'सर! मोटा-मोटा एक लाख रख लीजिए। आपके जंगलारोपण के बाद सबको लंच, गमले में लगा नॉन सेकुलर कम सेकुलर पौधा देंगे।'

'डोंट वरी, बस! इवेंट चकाचक हो जाए हर बार की तरह! और हां! मीडिया को बता देना कि पौधे से अधिक फोकस मुझ पर हो।'

'मेरे होते हुए चिंता की कोई बात नहीं जनाब!' पीए साहब ने उन्हें हद से अधिक आश्वस्त किया और कल के मंत्री जी के जंगल-महोत्सव हेतु उनके विभाग के मुखियाओं को अपने कमरे में आ मंत्री जी से भी अधिक गंभीर हो आवश्यक दिशा निर्देश देने में जुट गए। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

मिनी स्विट्जरलैंड जैसा एहसास कराए कौसानी

टूरिस्ट प्लेस
समीर चौधरी

वैसे तो उत्तराखंड में एक से बढ़कर एक सुंदर टूरिस्ट प्लेस हैं। लेकिन उनमें भी कौसानी सबसे अलग और बेहद खूबसूरत है। बारिश के बाद की हल्की ठंड भरे इस मौसम में मिनी स्विटजरलैंड कौसानी की यात्रा का अपना आनंद है। हाल में ही वहां की यात्रा से लौटे लेखक साझा कर रहे हैं, अपने अनुभव।

उत्तराखंड और उसके सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों की तो एक नहीं कई कई बार यात्रा कर चुका हूं। लेकिन मैं कौसानी कभी नहीं गया था। कौसानी के बारे में मैंने बहुत सुना था, विशेषकर इसकी सुंदरता और वहां के शानदार मौसम के बारे में। हालांकि वहां अब तक न जाने का कोई विशेष कारण नहीं था, बस यूं कहिए कि जाना हो ही न सका। बहरहाल, पिछले महीने मैंने तय किया कि पांच दिन के लिए कौसानी घूम आया जाए। किसी भी हिल स्टेशन के लिए इतना समय पर्याप्त होता है। इसलिए मैंने दिल्ली से पंतनगर के लिए फ्लाइट पकड़ी और फिर कौसानी पहुंचने के लिए टैक्सी किराए पर ली। पंतनगर से कौसानी लगभग 178 किमी. के फासले पर है।

पहुंचने के कई तरीके: वैसे मैं बताता चलूं कि कौसानी रेल व सड़क मार्गों से भी पहुंचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन काठगोदाम है, जहां से अल्मोड़ा होते हुए कौसानी की चढ़ाई आरंभ हो जाती है। यहां से कौसानी की दूरी लगभग 141 किमी. है और टैक्सी के जरिए आसानी से पहुंचा जा सकता है। अगर सड़क मार्ग की बात करूं तो कौसानी अन्य कई हिल स्टेशनों से सड़क के जरिए जुड़ा हुआ है। मसलन, कौसानी अल्मोड़ा से 51 किमी., रानीखेत से 60 किमी., पिथौरागढ़ से 107 किमी., ग्वालदम से 39 किमी. और नैनीताल से 117 किमी. की दूरी पर है। दिल्ली से कौसानी पहुंचने के लिए सड़क पर 431 किमी. की यात्रा करनी पड़ती है।

याद आता है स्विटजरलैंड: मेरी टैक्सी ने जैसे ही कौसानी में प्रवेश किया तो मुझे एकदम से अपनी स्विटजरलैंड यात्रा याद आ गई। जिला बागेश्वर की गोद में बसे इस सुंदर हिल स्टेशन में स्विटजरलैंड में होने का एहसास होता है और इससे भी बढ़कर बात यह है कि लाखों रुपए खर्च करने की जरूरत नहीं, चंद हजार रुपयों में ही स्विटजरलैंड का आनंद कौसानी में पाया जा सकता है। मैंने अपने जीवन में कौसानी से सस्ता हिल स्टेशन नहीं देखा। आपको सुनकर हैरत होगी कि मेरी पांच दिन की कौसानी यात्रा में सिर्फ 20,000 रुपए का ही खर्च आया। हालांकि कहीं भी घूमने का खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने समय वहां ठहरे, आपकी यात्रा शैली क्या है और आपने ठहरने के लिए किस स्तर की जगह का चयन किया है? लेकिन अगर आप कौसानी की बजट फ्रेंडली यात्रा करना चाहते हैं तो आप यहां 2 से 3 दिन तक मात्र 5,000 रुपए में भी घूम सकते हैं।

कई स्थलों पर दिखते हैं मनमोहक नैसर्गिक दृश्य

हर जगह मिलता है प्राकृतिक सान्निध्य का अनूठा अनुभव

बैजनाथ मंदिर

दिखते हैं लाजवाब नजारे: कौसानी में मुझे स्विटजरलैंड में होने का एहसास अकारण नहीं हुआ। बाद में मुझे एहसास हुआ कि मन को लुभाने वाली खूबसूरती के कारण ही लोग कौसानी को 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहते हैं। मैंने होटल में अपने कमरे में अपना सामान रखा, स्नान करके फ्रेश हुआ और हल्का सा नाश्ता करने के बाद कौसानी के आस-पास की पहाड़ी चोटियों की ओर टहलता हुआ निकल गया। चोटियों पर बादलों के रंगों के जादुई खेल को देखते हुए कब सुबह से शाम हो गई, मुझे पता ही न चला। चीड़ और नीले देवदार के जंगलों से ढंकी पहाड़ियों पर बसा यह गांव खासतौर से त्रिशूल, नंदा देवी और पंचाचूली जैसे हिमालय की चोटियों के मनमोहक नजारों के लिए भी विख्यात है। इसकी सुंदरता ने तो मेरा दिल ही जीत लिया। मुझे रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की वह पंक्ति याद आ गई कि सुंदर चीज हमेशा के लिए आनंद का स्रोत होती है। कौसानी की यात्रा केवल उसकी खूबसूरती के लिए भी की जा सकती है और मेरा तो मानना है कि कौसानी की यात्रा दिल के सुकून के लिए बार-बार की जा सकती है।

अगर आप मेरी तरह प्रकृति प्रेमी हैं तो कौसानी का दौरा आपको कम से कम एक बार अवश्य करना चाहिए। आमतौर पर महानगर के कंक्रीट के जंगल में रहते हुए लोग प्रकृति का अनुभव ही नहीं कर पाते हैं। यहां आस-पास के जंगलों में घूमते हुए प्रकृति से जुड़ने, कल-कल करती नदियों के किनारे बैठकर पक्षियों के गीत सुनने और जागती आंखों से सपनीले दृश्य देखने का अनुभव अवर्णनीय है।

दिखे खूबसूरत पक्षी-मनमोहक बागान: कौसानी में 50 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को तो मैंने देखा, जिनमें मैं कुछ की ही पहचान कर सका जैसे कठफोड़वा, बारबेट, तोता, रोबिन, फोर्क टेल आदि, लेकिन जिन परिंदों को मैं पहचान न सका उनकी सुंदरता ने भी मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया। कौसानी के चाय के बागान भी देखने लायक हैं। ऋतिक रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' (2003) की शूटिंग नैनीताल और भीमताल के अतिरिक्त कौसानी में भी हुई थी। कौसानी में ट्रैकिंग करते हुए मैं पास के ही पिन्नाथ गांव पहुंचा, जो गोपालकोट चोटी की तलहटी में बसा हुआ है। इस गांव में भगवान भैरो को समर्पित छोटा सा मंदिर है। कौसानी में ही एक प्रसिद्ध बैजनाथ मंदिर भी है। कौसानी, आदि कैलाश ट्रैक, बेस कौसानी ट्रैक और कफनी ग्लेशियर के ट्रैक के लिए शुरुआती बिंदु भी है, जो 3,853 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। वहां से लौटते हुए मन ही मन वादा किया कि जब भी मौका मिलेगा मैं फिर से कौसानी जरूर आऊंगा। *

स्पेशल: वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे
10 अक्टूबर

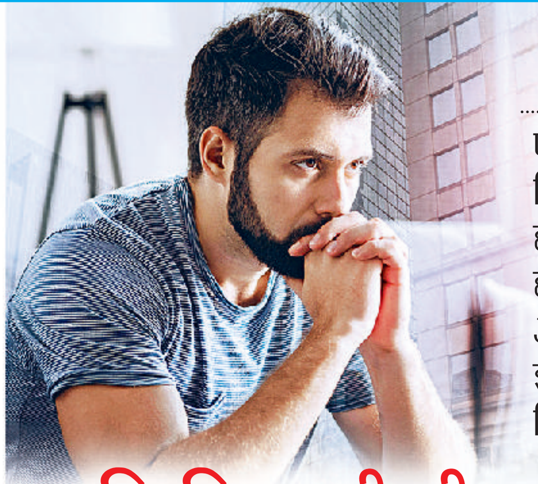

पूर्ण स्वस्थ रहने के लिए फिजिकली के साथ मेंटली हेल्दी रहना भी जरूरी है। हालांकि इसके प्रति लोगों में अवेयरनेस बढ़ रही है लेकिन इस दिशा में और भी प्रयास किए जाने की जरूरत है।

फिजिकली ही नहीं मेंटली हेल्दी रहना भी है जरूरी

अवेयरनेस / रेखा देशराज

इंसान के जीवन का हर पहलू उसकी सोच, उसकी भावना, उसका व्यवहार, लोगों के साथ उसके संबंध और उसकी कार्यक्षमता आदि सबका रिश्ता उसके मानसिक स्वास्थ्य से होता है। इसलिए हमारे शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी होता है। बावजूद इसके हम इसके प्रति कितने लापरवाह हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 2012 से आगामी 2030 के बीच की अवधि में अकेले भारत में मानसिक स्वास्थ्य परेशानियों के कारण देश को 1.03 ट्रिलियन डॉलर या 85,49,000 करोड़ रुपए का नुकसान होना तय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मानसिक स्वास्थ्य, सिर्फ हमारी सेहत की ही नहीं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी कितनी बड़ी क्षति पहुंचा रहा है। यह स्थिति अकेले भारत की नहीं है, दुनिया के ज्यादातर देशों में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति यही है।

मेंटल हेल्थ-डे की हुई शुरुआत: वर्ष 1992 से विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरुआत हुई ताकि लोगों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़े। यह दिन विशेष रूप से हमारे समाज, हमारी सरकार और हमारी विभिन्न संस्थाओं को यह याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की उदासीनता और समाज में गलत धारणाओं को मद्देनजर रखते हुए ही इसके लिए एक विशेष दिन की घोषणा की। हालांकि पहली बार तो इस दिन के लिए कोई विशेष थीम या विषय नहीं चुना गया था, लेकिन 1994 के बाद हर साल इस दिन को मनाने के लिए एक विशेष थीम का चयन होता है, ताकि पूरे साल उस थीम विशेष के इर्द-गिर्द के मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस किया जाए।

चिंताजनक है स्थिति: आज पूरी दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत में हर एक लाख व्यक्ति में 2,443 लोग मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और वह इसी अस्वस्थता के साथ जीवन जी रहे हैं। भारत में आत्महत्या की दर प्रति एक लाख लोगों में 21.1 है। इस दर की वजह भी बड़े पैमाने पर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या का होना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट बताती है कि मानसिक विकार जैसे- डिप्रेशन, स्ट्रेस, बाईपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि रोग दुनिया के हेल्थ बर्डन का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। वर्तमान यानी साल 2025 में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जो थीम घोषित की गई है, उसमें यही बात है कि आपातकाल, प्राकृतिक आपदाएं, विस्थापन, युद्ध और महामारी जैसी घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर ज्यादा दबाव बना रही हैं या दूसरे शब्दों में इनका रोग में बहुत ज्यादा बर्डन बढ़ चुका है। इसलिए आज आपातकाल, प्राकृतिक आपदाएं, विस्थापन, युद्ध और महामारी जैसी घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर लगातार असर डाल रही हैं। इसलिए हर किसी का फर्ज है कि वह इस मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से निपटने में खुद से पहल करे।

बढ़ रही है जागरूकता: विशेषज्ञों का अनुमान है कि जब से यह दिन मनाया जाना शुरू हुआ है, तब से बहुत बड़े पैमाने पर दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य सजगता बढ़ी है। आज दुनिया के करीब 80 फीसदी लोग यह जानते हैं कि उनके लिए मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। इसलिए अब लोग न केवल सहजता से अपने मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति को समझने लगे हैं बल्कि इसके निवारण में पूरी ताकत से हिस्सा लेते हैं। कुल मिलाकर धीरे-धीरे मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ रही है। *

रोचक / शैलेंद्र सिंह

रोजमर्रा की जिंदगी में ताजगी भर दे चाय

चाय महज एक पेय पदार्थ नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की लाइफस्टाइल की अनगिनत कहानियों का केंद्र भी है। कॉलेज के दिनों में कैंटीन में बैठकर दोस्तों के साथ न जानें कितनी कहानियां इसी चाय की चुस्कियों के बीच बनती-बिगड़ती हैं। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ चाय की गपशप ब्रेक को कौन भूल सकता है। या घर में सर्दी-जुकाम होने पर दादी-नानी की अदरक, तुलसी वाली चाय से मिलने वाली राहत हो। मतलब यह कि चाय जीवन के हर खूबसूरत मौके पर एक बेहतरीन पुल का काम करती है।

चुस्ती-ताजगी भर दे: चाहे रिश्तों को जोड़ने का वाकया हो या किसी फैसले पर पहुंचने की रणनीति हो, शाम की तैयारी हो, दोस्ती की शुरुआत हो, प्रेम का इजहार हो या थकान भगाने का जरिया ही क्यों न हो, चाय हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा है। सुबह की नींद से लेकर रात की थकान तक, दोस्तों की बैठक से लेकर ऑफिस की थकाऊ मीटिंग, हर जगह चाय काम आती है। हममें से ज्यादातर की सुबह यह जुमला बोलते हुए शुरू होती है, 'अरे चाय बनी क्या?' नींद से अभी आंखें पूरी तरह से खुली भी नहीं होतीं कि गरम-गरम चाय का एक घूंट हममें चुस्ती, फुर्ती और ताजगी भर देता है।

शुरू हुआ टी-ब्रेक का चलन: शायद ही देश में ऐसा कोई शख्स हो, जिसके कानों में 'चाय गरम, चाय गरम...' की आवाज सुनाई पड़े और उसकी आंखों में हिंदुस्तान का कोई रेलवे प्लेटफॉर्म न घूमने लगे। हमारी रेल की यात्राएं चाय की कहानियों के साथ नत्थी होती हैं। चाय न हो तो रेलवे का सफर बेहद उबाऊ हो जाएगा। रेलवे की ही क्यों, ऑफिस की बात क्यों न कहें। क्या भारतीय दफ्तरों की दास्तानें बिना चाय की चुस्कियों के पूरी होती हैं क्या? कॉरपोरेट जगत में तो टी-ब्रेक को तरोताजा करने वाला ब्रेक माना जाता है। शायद यह बात अंग्रेज भी अच्छी तरह से जानते थे या फिर शायद अंग्रेजों ने ही इसकी खोज की, क्योंकि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जब हिंदुस्तान में 24 घंटे कारखानों में काम करने का सिलसिला शुरू हुआ, तो इसके साथ ही अनिवार्य रूप से टी-ब्रेक होना शुरू हुआ। हर एक ड्यूटी में दो टी-ब्रेक और एक में नाश्ता होता था। यह एक ऐसी शुरुआत थी कि लोगों ने काम की थकान से ऊबने की शिकायतें करना बंद कर दिया। कर्मचारियों को सिर्फ काम के बीच चाय का ब्रेक याद रहता और उसी ब्रेक के लिए वे पूरे टाइम जी-जान लगाकर काम करते रहते हैं कि टी-ब्रेक में गर्मागर्म चाय पीएं। यानी, चाय महज एक पेय पदार्थ नहीं बल्कि सैकड़ों कहानियों की जननी है। *

स्मरण
शिव चरण चौहान

गजलों की रानी के नाम से मशहूर बेगम अख्तर, अपनी तरह की बेमिसाल गायिका थीं। आगामी 7 अक्टूबर को उनकी जयंती पर बेगम अख्तर के जीवन और गायन सफर को याद कर रहे हैं लेखक।

बेमिसाल गायिका बेगम अख्तर

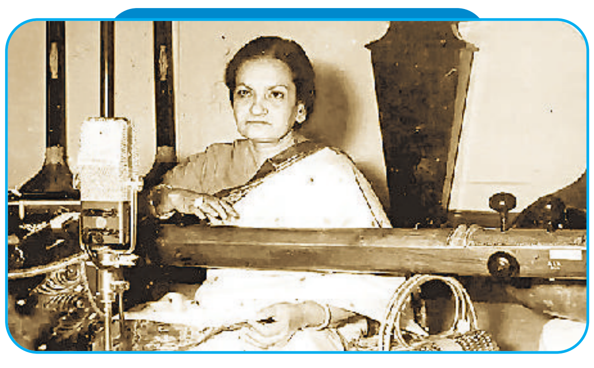

ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया/जाने, क्यों आज तेरे नाम पे रोना आया/जब जिक्र हुआ जमाने में मोहब्बत का शकील/मुझको अपने दिल ए नाकाम पे रोना आया।

गजल गायिका बेगम अख्तर की गाई इस गजल को जिसने भी सुना है, वह जानता है कि इसमें बेगम अख्तर का अपना दर्द भी समाया हुआ है। गजल हो या ठुमरी, दादरा या खयाल गायकी, बेगम अख्तर को भारतीय शास्त्रीय संगीत में महारत हासिल थी। वह लखनऊ के समृद्ध शास्त्रीय संगीत परंपरा से संबंधित थीं। उनकी मीठी आवाज ने गजल गायकी को एक नई दिशा प्रदान की।

बचपन से था संगीत से लगाव: बेगम अख्तर का जन्म 7 अक्टूबर 1910 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में हुआ था। उनके बचपन का नाम उनकी मां ने बिब्बो रखा था। बाद में वह अख्तरी बाई फैजाबादी कहलाने लगीं। उनकी संगीत में विशेष रुचि थी। किराना घराने के अब्दुल वाहिद खान और पटियाला घराने के अता मोहम्मद से उन्होंने संगीत की तालीम हासिल की। उनकी पहली रिकॉर्डिंग 'वोह असिरे दमें' से लेकर ऑल इंडिया रेडियो के लिए की गई अंतिम रिकॉर्डिंग 'मैं ढूंढ़ता हूं जिसे वो यहां नहीं मिली' तक के गायन के सफर में उन्होंने कई नज्मों और गजलों को अपना स्वर प्रदान कर अमर बना दिया।

ऐसे मिली लोकप्रियता: सार्वजनिक मंच पर उनके गायन की शुरुआत से एक दिलचस्प घटना जुड़ी है। कलकत्ता (अब कोलकाता) की एक प्रख्यात नाटक कंपनी ने 1934 में बिहार में आए भूकंप पीड़ितों के सहायतार्थ संगीत सम्मेलन का आयोजन किया था। इसमें बड़े-बड़े फनकार आने वाले थे, लेकिन कुछ कारणों से वे लोग नहीं आ सके। दर्शकों ने शोर मचाना शुरू कर दिया तो उस्ताद अता मोहम्मद खान ने घोषणा की कि आने वाले मशहूर कलाकारों की अनुपस्थिति में एक नवोदित गायिका गाएंगी। वह गायिका उनकी प्रिय शिष्या अख्तरी बाई ही थीं। उन्हें केवल दो गजलें गाने के लिए कहा गया था, लेकिन उनकी आवाज के सम्मोहन से दर्शक इतने अधिक प्रभावित हुए कि उन्हें दर्शकों की फरमाइश पर चार गजलें और तीन दादरे सुनाने पड़े। इस कार्यक्रम ने इस गायिका अख्तरी बाई फैजाबादी यानी बेगम अख्तर को लोकप्रियता की बुलंदी पर पहुंचा दिया।

गायन का था अनोखा अंदाज: बेगम अख्तर, उर्दू की भी अच्छी जानकार थीं, इसलिए गजलों के लफ्जों और जज्बातों पर उनकी गहरी पकड़ थी। गजल गायन की उनकी एक विशेष शैली थी। उन्होंने न केवल प्रतिष्ठित उर्दू कवि, शायर, बल्कि नवोदित कवियों के लिए भी गाया। गजल, दादरा, ठुमरी के अलावा वह विशेष लखनवी अंदाज में सोजवाणी गाने के लिए भी प्रसिद्ध थीं। किसी कार्यक्रम में वह अपने गायन की शुरुआत प्रायः किराना शैली में ख्याल गायन से करती थीं, फिर ठुमरी, दादरा और गजल गाती थीं। उन्होंने देश भर में अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और अपनी गायकी से लाखों लोगों के दिलों में अपना विशेष मुकाम हासिल किया।

फिल्मों में भी किया गायन: व्यक्तिगत जीवन में बेगम अख्तर बहुत ही खुशमिजाज महिला थीं। अपनी प्रसिद्धि का उन्हें जरा भी गुमान नहीं था। बेगम अख्तर ने करीब 9 फिल्मों में भी गायन किया और कुछ फिल्मों में अभिनय भी किया। भारत सरकार ने बेगम अख्तर को पद्मश्री से सम्मानित किया और मरणोपरांत उन्हें सन 1975 में पद्मभूषण भी प्रदान किया गया था। बेगम अख्तर को संगीत नाटक अकादमी सहित कई अन्य संस्थाओं के प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिले। *

'पलकों की छांव में' के यादगार गीत 'डाकिया डाक लाया..' का सीन

'मैंने प्यार किया' में कबूतर ने निभाई डाकिए की भूमिका

बॉलीवुड / अशोक वाधवाणी

विशेष: भारतीय डाक सप्ताह 9-15 अक्टूबर

जीवन और समाज का शायद ही कोई विषय हो, जिस पर हिंदी फिल्में न बनी हों या गीत न रचे गए हों। चिट्ठी, पत्र और उसे पहुंचाने वाले डाकिए के इर्द-गिर्द भी कई फिल्में और गीत रचे गए हैं। इनमें से कुछ पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखी है डाकिए की डाक

सोशल मीडिया और ईमेल के इस सुपर फास्ट संदेश भेजने के दौर में भी डाक, डाकघर और डाकिए की अहमियत-जरूरत को नकारा नहीं जा सकता। डाक विभाग ने भी बदलते युग में जरूरत के अनुसार अपनी संरचना और कार्यप्रणाली में काफी बदलाव, सुधार किए हैं। डाकघर को स्मार्ट बनाया जा रहा है। हिंदी फिल्मों में भी शुरुआती दौर से ही पत्र, पत्र के जरिए भेजे जाने वाले संदेश और डाकिए की भूमिका को लेकर कई फिल्मों में यादगार गीत और दृश्य फिल्माए गए हैं। कुछ फिल्मों के तो नाम में ही पत्र या लेटर शब्द को शामिल किया गया है।

यादगार हैं ये गीत: बात अगर शुरू करें उन गानों से, जिनमें खत, चिट्ठी, पत्र या डाकिए शब्द का इस्तेमाल हुआ है तो इसकी फेहरिस्त लंबी है। वर्ष 1955 में बनी फिल्म 'हा..हा..ही..ही..हो..हो' के गीत 'मैं हूं पोस्टमैन...' को आशा भोंसले ने गाया है। फिल्म में एक लड़की पोस्टमैन की वेशभूषा पहनकर यह गीत गाते हुए नजर आती है। इसके बाद फिल्म 'संगम' का गीत 'ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर...', फिल्म 'सरस्वती चंद्र' का गीत 'फूल तुम्हें भेजा है खत में...', फिल्म 'कन्यादान' का गाना 'लिखे जो खत तुझे। वो तेरी याद में...', फिल्म 'प्रेम पुजारी' का गीत 'फूलों के रंग से... तुझको लिखी रोज पाती...'और फिल्म 'आए दिन बहार के' में आशा भोसले का गाया गीत 'खत लिख दे सांवरिया के नाम बाबू...' भी अपने दौर में खूब पसंद किए गए और आज भी लोग इनको गुनगुनाते हैं। लेकिन डाकिए की भूमिका को जिस गीत से भरपूर लोकप्रियता मिली वह गीत है 'डाकिया डाक लाया...।' किशोर कुमार द्वारा गाए और राजेश खन्ना पर पिक्चराइज फिल्म 'पलकों की छांव में' के इस गाने का उल्लेख किए बिना आलेख अधूरा ही रह जाएगा। गुलजार की कलम का कमाल इस गीत में देख सकते हैं, जिन्होंने डाकिए की भूमिका को इस गाने में बहुत खूबसूरती से शब्दों में पिरोया है। 'चिट्ठी आई है, बड़े दिनों के बाद...(नाम)', 'कबूतर जा जा जा... पहले प्यार की पहली चिट्ठी...(मैंने प्यार किया)', 'हमने सनम को खत लिखा, खत में लिखा...(शक्ति)', 'संदेसे आते हैं, हमें तड़पाते हैं, जो चिट्ठी आती है...(बॉर्डर)' गीत भी बहुत मर्मस्पर्शी हैं। खासतौर पर 'बॉर्डर' का गीत से तो देश की सेवा में समर्पित सैनिक खुद को बहुत जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। इसी तरह फिल्म 'दुश्मन' का गाना 'चिट्ठी न कोई संदेस। जाने वो कौन-सा देस...' अपने साथी से दूर हर व्यक्ति के मन को भिगो देता है।

'संगम' के हिट गीत 'ये मेरा प्रेमपत्र...' का सीन

दिलचस्प हैं ये गीत : हिंदी फिल्मों में डाकिए और चिट्ठी को लेकर कुछ अजीबो-गरीब गाने भी बने हैं। जैसे- 'डाकिया बाबू डाकू है पक्का...(शेर-ए-हिंदुस्तान)।' इसी तरह 'पोस्टमैन हैं भैया.. (बाबूमोशाय बंदूकबाज)।'

बनी हैं इस पर कुछ फिल्में: पोस्टमैन की भूमिका वाली कुछ सशक्त फिल्में भी बनी हैं। नसीरुद्दीन शाह के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती पूरी कहानी है फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' की, जो उन्हें एक लेटर मिलने के बाद ही शुरू होती है। विजय अरोड़ा की पोस्टमैन की भूमिका वाली 'गौतम गोविंदा' भी काफी चर्चित रही थी। इसके अलावा हाल में रिलीज हुई शॉर्ट फिल्म 'पोस्टमैन' में संजय मिश्रा पोस्टमैन के रोल में नजर आए। वर्ष 2008 में रिलीज हुई सोशल कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू सज्जनपुर' में बेरोजगार, ग्रेजुएट नायक रोजी-रोटी के लिए गांव वालों को पत्र लिखकर देता है। 'सिर्फ तुम' (1999) में संजय कपूर और प्रिया गिल के बीच चिट्ठियों का आदान-प्रदान दिखाया गया है। सोशल मीडिया के युग में भी उनके प्रेम पत्र नहीं अखरते। यह मनोरंजक रोमांटिक फिल्म बन पड़ी है। 'आखिरी खत' (1966) अलग हटकर बुनी गई एक कहानी पर बेस्ड बेहतरीन फिल्म है। 'प्रेम पत्र' (1962) में शशि कपूर और साधना के किरदारों के बीच चिट्ठी को लेकर कई भ्रम पैदा होते हैं। इस रोमांटिक फिल्म में कई सुमधुर गीत हैं। 'फर्स्ट लव लेटर' (1991) में विवेक मुश्रान, मनीषा कोईराला लीड रोल्स में हैं।

'वेलकम टू सज्जनपुर' का एक दृश्य

आज चिट्ठी-पत्र लिखने और डाक से भेजने का चलन बहुत कम हो गया है लेकिन ये हिंदी फिल्में और उसके गीत हमें हमेशा इनकी महत्ता की याद दिलाते रहेंगे। *